विद्यार्थियों को दी सूक्ष्म जीवाश्मिकी की जानकारी

ई क्लास में जुड़े डीडवाना, बीकानेर, जोधपुर व जयपुर के विद्यार्थी, 13 अगस्त तक ई प्लेटफॉर्म पर होगी वर्चुअल क्लास

डीडवाना. कोविड के चलते जारी सरकारी गाइडलाइंस के अनुसार संस्थानों में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के लिए नहीं आ पा रहे हैं। राजकीय बाँगड़ महाविद्यालय के भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण व्यास ने बताया कि इस परिस्थिति में विद्यार्थियों के लिए ई क्लास के माध्यम से बाँगड़ कॉलेज डीडवाना व डूंगर कालेज बीकानेर के भूगर्भ शास्त्र विभागों के संयुक्त तत्वावधान में ई-प्लेटफॉर्म पर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर(मध्यप्रदेश) के एप्लाइड जियोलोजी विभाग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार कथल ने राजस्थान के 60 से अधिक भूविज्ञान विषय के पीजी व यूजी विद्यार्थियों को सूक्ष्म जीवाश्म विषय पर जानकारी दी। डूंगर कॉलेज के प्राचार्य व ई क्लास प्रोग्राम के संरक्षक डॉ. सतीश कौशिक, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में भूगर्भ शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एस. आर. जाखड व बीकानेर से भूगर्भ शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. शिशिर शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, डीडवाना के 60 से अधिक विद्यार्थियों ने ई क्लास के दौरान जुड़े व माइक्रो पैलेन्टोलॉजी पर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के सह संरक्षक डॉ.जहांगीर रहमान कुरैशी ने बताया कि कार्यक्रम के पहले दौर में 13 अगस्त तक प्रोफेसर प्रदीप कथल सूक्ष्म जीवाश्मिकी के विभिन्न आयामों पर ई टीचिंग से विद्यार्थियों को लाभान्वित करेंगे। बाँगड़ कॉलेज प्राचार्य ने विभिन्न शहरों के भिन्न-भिन्न भूगर्भ शास्त्र विभागों के एक मंच पर आकर स्टूडेंट्स के हितार्थ आयोजित ई क्लास नवाचार कार्यक्रम के आयोजन पर खुशी व्यक्त की। ज्ञात रहे कि प्रोफेसर प्रदीप कुमार कथल 38 वर्ष से शैक्षणिक कार्य का अनुभव रखते हैं तथा देश के जाने माने पैलेन्टोलोजिस्ट है और पुस्तकों के लेखन के साथ इनके 45 से अधिक रिसर्च पेपर्स राष्ट्रीय व अंतर राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं।

अधिक फोटोग्राफ एवं जानकारी के लिए लॉगऑन करें...
patrika.com

Scanned with CamScanner

दैनिक भास्कर
कुचामन भास्कर 10-08-2020

कॉलेज में कोविड-19 में ई-क्लास प्लेटफॉर्म पर हुआ वर्चुअल क्लास का हुआ आयोजन

बांगड़ कालेज डीडवाना व डूंगर कालेज बीकानेर के भूगर्भ शास्त्र विभागों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन

भास्कर संवाददाता | डीडवाना

राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण व्यास ने बताया कि कोविड के कारण सरकारी गाइडलाइंस के अनुसार विद्यार्थी वर्तमान में शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन के लिए नहीं आ रहे हैं तब इस परिस्थिति में इनके लिए ई क्लास के माध्यम से बांगड़ कालेज डीडवाना व डूंगर कालेज बीकानेर के भूगर्भ शास्त्र विभागों के संयुक्त तत्वावधान में ई प्लेटफॉर्म पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश) के एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार कठल ने राजस्थान के 60 से अधिक भूविज्ञान विषय के पीजी व यूजी स्टूडेंट्स को सूक्ष्म जीवाश्मिकी विषय पर जानकारी प्रदान कर रहे है। गत शुक्रवार से शुरू हुई ई क्लासेज में रविवार को भी स्टूडेंट्स ने माइक्रो पेलियंटोलॉजी के विभिन्न आयामों की जानकारी प्राप्त की। इस ई क्लास के सफलतापूर्वक पर डूंगर कालेज के प्राचार्य डॉ. सतीश कौशिक ने प्रसन्नता व्यक्त की व इससे जुड़ने वाले स्टूडेंट्स को ई क्लास से फायदा लेने का आह्वान किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एस. आर. जाखड़ व बीकानेर डूंगर कालेज में भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिशिर शर्मा ने विशेष [illegible] का प्रोफेसर कठल का राजस्थान के स्टूडेंट्स के लिए ई क्लास के माध्यम से जानकारी प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, डीडवाना के 60 से अधिक स्टूडेंट्स इस ई क्लास से रोजाना जुड़े व माइक्रो पेलियंटोलॉजी पर जानकारी प्राप्त कर रहे है।

ई क्लास के साथ का संचालन बीकानेर से डॉ. देवाराम कर रहे है। ई क्लास कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. जहाँगीर रहमान कुरैशी ने बताया कि इस प्रोग्राम के पहले दौर में 13 अगस्त तक प्रोफेसर प्रदीप कठल सूक्ष्म जीवाश्मिकी के विभिन्न आयामों पर ई टीचिंग से स्टूडेंट्स को लाभान्वित करेंगे। बांगड़ कालेज प्राचार्य प्रोफेसर सी. एम. डोटासरा ने विभिन्न शहरों के भिन्न भिन्न भूगर्भ शास्त्र विभागों के एक मंच पर आकर स्टूडेंट्स के हितार्थ आयोजित ई क्लास जैसा नवाचार कार्यक्रम के आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए इस आयोजन से जुड़े सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि विजिटिंग फैकल्टी प्रोफेसर प्रदीप कुमार कठल 34 वर्षों से शैक्षणिक कार्यों का अनुभव रखते है तथा देश के जाने-माने माइक्रोपेलियंटोलॉजिस्ट है और पुस्तकों के लेखन के साथ इनके 45 से अधिक रिसर्च पेपर्स राष्ट्रीय व अंतर राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुए है। ई क्लास के आयोजन समिति के डॉ अनिल यादव, डॉ. देवेश खंडेलवाल व विश्रामराम मीना, प्रज्ञा शर्मा और विजय कुमार स्टोलिया ने विद्यार्थियों द्वारा ई क्लास के प्रति उत्साह और एकाग्रता दर्शाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

Scanned with CamScanner